Shri Jagjivan Ram: That is exactly what I said. The arbitrator said that he will require some more time and naturally both the parties, that is, the Government and TELCO, agreed to it.

Shri T B. Vittal Rao: May I know if there is a proposal under the consideration of the Railway Board to take over TELCO as recommended by the Public Accounts Committee some time ago?

Mr. Speaker: How does it arise out of this question? Whatever else happens in TELCO, apart from arbitration, is not covered.

Shri Nagi Reddy: When there would not be any arbitration at all

Mr. Speaker: Many things can happen

Re-Employment of Retrenched Employees

+

*429. { **Shri S. M Banerjee**
Shri Tangamani

Will the Minister of **Railways** be pleased to state.

(a) whether some of the workers retrenched on account of closure of some coach building factories in U P have been provided with alternative jobs in the Integral Coach Factory at Perambur, and

(b) if so, the number thereof?

The Deputy Minister for Railways (Shri Shahnawaz Khan): (a) No Sir

(b) Does not arise

दुर्गम क्षेत्र समिति

*४३०. **श्री भक्त दर्शन :** क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री १७ दिसम्बर, १९५८ के तारांकित प्रश्न संख्या ११०८ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि भारत के पर्वतीय क्षेत्रों में खाद्य सम्बन्धी आत्म-निर्भरता प्राप्त करने के सुझाव देने के लिये जिस दुर्गम क्षेत्र समिति की नियुक्ति की गई थी, उसने इस बीच अपने कार्य में क्या प्रगति की है ?

कृषि उपमंत्री (श्री मो० वें० कृष्णप्पा): सभा की टेबिल पर एक विवरण रख दिया गया है ।

विवरण

२७ सितम्बर, १९५८ को दुर्गम क्षेत्र समिति की प्रश्नावली के उत्तर, आसाम सरकार को छोड़ कर, जिसको स्मरण-पत्र भेज दिया गया है, बाकी सभी राज्य सरकारों । प्रशासनों से अब प्राप्त हो चुके हैं ।

समिति ने समस्याओं का स्थान पर जाकर अध्ययन करने के लिये दौरा करने का कार्यक्रम फरवरी, १९५९ के दूसरे सप्ताह मे बना लिया है ।

श्री भक्त दर्शन : इस विवरण से ज्ञात होता है कि इस समिति की स्थापना यद्यपि पांच महीने हुए हो चुकी थी, अभी तक केवल दफ्तरी काम ही हो पाया है और अब दौरा शुरू होने वाला है । मैं जानना चाहता हू कि ऐसी हालत में क्या यह जून तक अपनी रिपोर्ट दे सकेगी ?

श्री मो० वें० कृष्णप्पा : इस समिति ने एक प्रश्नावली सारी गवर्नमेंट्स के पास भेजी थी और आसाम की सरकार को छोड़ कर सभी राज्य सरकारो ने अपने उत्तर भेज दिये हैं । आसाम सरकार को भी स्मरण-पत्र भेजा गया है और कहा गया है कि वह भी जल्दी से जल्दी अपना उत्तर भेजे । समिति ने टूर करने का भी इंतिजाम कर लिया है ।

श्री भक्त दर्शन : जैसा कि समिति के टर्म्स आफ रेफ़ेंस से स्पष्ट होता है इस कमेटी मे यह पूछा गया है कि क्या इन इलाकों को खाद्योत्पादन के मामले में आत्म-निर्भर बनाया जा सकता है या नहीं, मै जानना चाहता हूं कि क्या माननीय मंत्री महोदय को यह ज्ञात है कि ये इलाके चाहे कितना भी प्रबन्ध क्यों